!! जय भिक्षु !! !! जय महाश्रमण !!

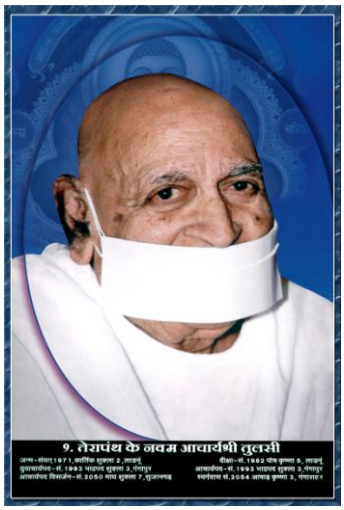

शासन श्री साध्वी सोहनकुमारी जी एवं साध्वी चंदनबाला जी के सान्निध्य में मानवता के मसीहा गुरूदेव तुलसी की 16वीं पुण्यतिथि का भव्य आयोजन

सुनाम -अध्यात्म के महासुमेरू **गणाधिपति आचार्य श्री तुलसी** विश्व के विलक्षण महापुरूष थे। आचार्य श्री का कालजयी व्यकितत्व संघ के कण कण में परिव्याप्त है। संघ के विस्तार और विकास की कहानी श्रद्धेयप्रवर के पुरूषार्थ की जीवन्त निशानी है। फौलादी व्यकितत्व के धनी गुरूदेव ने अतीत को नये परिवेश में संवारकर वर्तमान के उजाले से भरा। वर्तमान में नये नये क्षितिज उकेर कर तेरापंथ की पावन भूमि पर उपलब्धियों के असंख्य माइलस्टोन खडे किए और भविष्य के लिए अनेक विकासशील परम्पराओं का सृजन किया।

उपरोक्त विचार साध्वी श्री चंदनबाला जी ने तेरापंथ भवन इन्द्राबस्ती, रामनगर सुनाम में आयोजित गणाधिपति गुरूदेव श्री तुलसी की सोलहवीं पुण्यतिथि पर अभिव्यकत किए। आगे आप ने कहा-धर्म को व्यवहारिक और जीवन के हर मोड के साथ जोडने के लिए अणुव्रत आन्दोलन का प्रारूप अत्यन्त अपेक्षित है। इन्सान को इन्सान बनाने का फॉमूला है- अणुव्रत। छोटे-छोटे व्रतों को स्वीकार कर मनुष्य अपनी जीवनशैली को प्रशस्त कर सकता है, जो देश के लिए वरदान बनकर सच्ची धार्मिकता को प्रस्तुत करेगा। अणुव्रत मानवीय मूल्यों की प्रशस्त आचार संहिता है। नैतिक बने बिना धार्मिक बने रहना केवल दिखावा है। अनेक मधुर प्रसंगो का उल्लेख करते हुए अपनी हार्दिक श्रद्वांजलि श्री चरणों में समर्पित की।

कार्यक्रम का शुभारम्भ साध्वीवृन्द ने तुलसी अष्ट्कम के द्वारा किया। इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि:- नगर कौंसिल धूरी के प्रधान श्री रघुबीर चंद जी ने की। सुनाम क्षेत्र में प्रवासी ब्रह्मकुमारी बहिन मीरां जी ने प्रभावक ढंग से श्रद्वेय गुरूदेव के प्रति अपने भावों की अभिव्यकित दी।

इस अवसर पर साध्वी वर्धमान श्री जी आदि सभी साध्वियों ने तुलसी के अवदानों को बडे ही भावपूर्ण सुंदर ढंग से प्रस्तुति देकर अत्यन्त रोचक संवाद प्रस्तुत किया। साध्वी लज्जावती, वर्धमान श्री जी, राज श्री जी, सिद्वान्त श्री जी, समीक्षा प्रभा जी, प्रणवयशा आदि साध्वियों ने गीत, कविता एवं वक्तव्य के द्वारा श्री चरणों में श्रद्वा का अर्घ्य चढाया। इस अवसर पर संगरूर सभाध्यक्ष विजय जी गुप्ता, संरक्षक हेमराज जी जैन,

!! जय भिक्षु !! !! जय महाश्रमण !!

थानेदार रघुबीर चंद प्रधान नगर कौंसिल धुरी, सुमन सिंगला, सृष्टि जैन, अखिल जैन, रोशनी जेन, लज्जावती जैन, सन्तोश जैन, रेवा छाहडिया, संजय जैन आदि अनेक वक्ताओं ने अपनी भावना व्यकत की।

केवल जी गोयल ने सभी अगन्तुकों का स्वागत किया। इस अवसर पर अनेक क्षेत्रों के लोगों ने सम्मलित होकर आयोजन को और अधिक प्रभावी बना दिया। कर्मठ कार्यकर्ता यशपाल जैन ने कुशल मंच संचालन किया। इस कार्यक्रम में प्रेमचंद जी जैन, सुरेन्द्र डांगी, महेन्द्र,विनोद, महेन्द्र जी जैन आदि की पूर्णरूप से सहभागिता रही। पूर्व संध्या में हुई प्रतियोगिता में विजेताओं को सुरेन्द्र जी डांगी ने अपने रिटार्यडमेन्ट पर अपनी तरफ से सभी को परस्कृत किया।

Yours Faithfully,
All TYP Members,
President – Sumit Jain.
Secreatery – Ashish Jain.

Date of Sent:- 8-6-2012.

Hitesh Jain (090413-99764).